

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Would the hon. Minister give assurance that the Chief Minister's request will be acceded to?

SHRI MALLIKARJUN: I don't know why there is so much of apprehension in his mind. It has already been accepted in principle to have a halt station. The question is of location. One location was pointed out by the Railway and another has been suggested by the Chief Minister. It is not merely the Commercial angle; it has also the technical angle which has to be looked into. He is the expert on these matters who throws so much light to the House and also to the Administration. All the aspects are being taken into consideration and we are coming to the decision shortly.

श्री ज्योतिर्भूष: उपाध्यक्ष महोदय, हमारे देश में आवागमन के बहुत कम साधन हैं। पहले से जितने स्टेशन्स बने हुए हैं उन के अनुपात में देश की आबादी 50 प्रतिशत बढ़ चुकी है। लोकल ट्रेन्स, पैसेंजर गाड़ियां जो हैं उनके स्टेशन्स 15—20 किलोमीटर की दूरी पर बने हुए हैं। दूसरे कोई आवागमन के साधन नहीं हैं। जंगलों में रहने वाले जो आदिवासी हैं वे 20—20 किलोमीटर चल कर रेल पकड़ते हैं। गाड़ियों में भीड़ का यह हाल है कि आपने भी देखा होगा गाड़ियों की छतों पर चढ़कर लोग सफर करने लगे हैं। मैं आप से यह पूछना चाहता हूँ कि क्या इन स्टेशनों के बीच में काफी दूरी है और आदिवासी क्षेत्रों में जहाँ कि हाट स्टेशन 10—15 किलोमीटर के बीच में नहीं हैं। इस सम्बन्ध में क्या आप पुनः सर्वे कराकर हाट स्टेशन कायम करने का प्रयत्न करेंगे ?

श्री मल्लिकार्जुन: मान्यवर, इसका इस प्रश्न से कोई संबंध नहीं है आदिवासियों का जो प्रश्न है, आदिवासियों के लिए सहूलियत देना सरकार का पहला कर्तव्य

है। यदि माननीय सदस्य ऐसी स्पैसिफिक केस चाहते हैं, तो वे हमें लिखकर दें, हम उस की जांच करेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे महाविद्यालय, सोनपुर

* 910. श्री कमला मिश्र मधुकर :
क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय का विचार पूर्वोत्तर रेलवे महाविद्यालय, सोनपुर, (बिहार) को अपने अधिकार में लेने का है ;

(ख) यदि नहीं, तो क्या रेलवे प्रशासन का विचार इस महाविद्यालय की भूमि, इमारत और अन्य उपकरणों को बिहार विश्वविद्यालय को सौंपने का है वगैरें कि बिहार विश्वविद्यालय इस महाविद्यालय को अपने अधिकार में ले ;

(ग) यदि हां, तो उनका मंत्रालय इसे कब तक अपने अधिकार में लेगा ;

(घ) क्या पूर्वोत्तर रेलवे महाविद्यालय, सोनपुर के मंत्री ने इस सम्बन्ध में मंत्रालय को कोई ज्ञापन दिया है ; और

(ङ) यदि हां, तो इस पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) No Sir.

(b) The proposal would be examined as and when such a request is received by the Ministry.

(c) Does not arise.

(d) and (e). A request received from the Secretary, Poorvottar Railway Mahavidyalaya, Sonapur regarding taking over of the College by the Ministry has been examined and not found feasible to agree to the request.

श्री कमला मिश्र मधुकर : उपाध्यक्ष जी; यह महाविद्यालय ऐसा है, जिसकी स्थापना रेल कर्मचारियों और जनता ने की है। इस में पढ़ने वाले 90 परसेंट लोग कर्मचारियों के लड़के-लड़कियाँ हैं। इस विद्यालय की स्थापना और शिलान्यास 16-7-1978 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक ने किया था और 1978 में फिर रेलवे मंत्री ने विधिवत उदघाटन किया था।

वहाँ पर कुल 375 छात्र हैं और जिन में से 50 लड़कियाँ हैं, वहाँ तमाम लड़के लड़कियाँ रेल कर्मचारियों के हैं। जनता की इच्छा भी है और सांसदों तथा विधायकों ने भी आपको लिखा है तो ऐसी कौन सी वजह है, जिस वजह से आप उस संस्थान को लेने से इंकार कर रहे हैं ?

श्री बलिनशर्मा : मान्यवर, यह पूर्वोत्तर रेलवे महाविद्यालय सोनपुर में है। इस में 353 स्टूडेंट्स हैं। इस में कोई शंका नहीं है कि इसका उदघाटन 1978 में किया गया था, भूतपूर्व रेलवे मंत्री के द्वारा। यहाँ कर्मचारियों के बच्चे पढ़ते हैं, जो कि 169 हैं। जहाँ तक रेलवे के लेने की समस्या है, इस को रेलवे नहीं ले सकती है। जब यूनिवर्सिटी इस को एफिलियेट कर देगी और अगर यूनिवर्सिटी वाले कोई चीज रेलवे मंत्रालय को लिखेंगे, उस वक्त हम उसकी जांच करायेंगे। इस में प्रश्न यह है कि वे बिल्डिंग और कुछ लैंड चाहत हैं, इस संबंध में हमारे पास ऐसी कोई प्रार्थना नहीं आई है। यूनिवर्सिटी के पक्ष से जब वह आयेगी, हम इसकी जांच करवायेंगे।

श्री कमला मिश्र मधुकर : उपाध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या मंत्री मशरूफ को जानकारी है कि बिहार विश्वविद्यालय ने उस

कालिज को मान्यता दे दी है और आपने कहा है कि यूनिवर्सिटी को मान्यता के बाद विचार करेंगे। ऐसी स्थिति में आप इस को कितने दिनों तक एग्जामिन करके लेने जा रहे हैं, जबकि मकान और बिल्डिंग सब इसको रेलवे न दिया ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFAR SHARIEF): As you know, education is a State subject. The Railway cannot diversify its activities to various other aspects.

(Interruptions)

SHRI R. P. YADAV: It is in the Concurrent List. Kindly correct yourself (Interruptions) ..

SHRI C. K. JAFFAR SHARIEF: Kindly bear with me. (Interruptions) I have not completed it. (Interruptions). The question is not merely for the requisition. What my hon. colleague has said is that there is no reference to the Railway Ministry asking for anything. When it comes to us, we will examine it.

MR. DEPUTY SPEAKER: He says, there is no reference to the Railway Ministry.

श्री कमला मिश्र मधुकर : रिप्लेस है, हमारे पास प्रमाण है, कहे तो मैं भेज दूंगा।

श्री राजेन्द्र प्रकाश यादव : मंत्री महोदय ने अभी कहा था कि शिवा राज्य की सूची में है, लेकिन बाद में उन्होंने सुधार कर लिया कि कावकरेंट लिस्ट में है। क्या उन को जानकारी है कि देश में बहुत से विद्यालय ऐसे हैं जिन को रेलवे चालाती है, मनेज करती है ? यदि ऐसा है तो उस का क्या आधार है ?

अभी आप ने उत्तर देते हुए बतलाया कि रिक्वेस्ट नहीं आई है, रिक्वेस्ट आने पर विचार करेंगे, लेकिन दूसरी तरफ

यह भी कहा गया कि वहाँ के मंत्री ने रिक्वेस्ट भेजी है। जब आप यह मानते हैं कि उन की तरफ से रिक्वेस्ट आई है और आपको यह जानकारी भी दे दी गई है कि यूनिवर्सिटी ने मान्यता दे दी है, तब इन बातों को मद्देनजर रखते हुए क्या आप फिर से पुनर्विचार करेंगे तथा यह भी बतलायें कि इस को लेने के बारे में आप का क्या इरादा है ?

श्री मल्लिकार्जुन : यदि यूनिवर्सिटी ने उस को मान्यता दे दी है तो यूनिवर्सिटी अपनी तरफ से इस चीज को जरूर रैफर करेगी। इस वक्त यह महाविद्यालय प्राइवेटली मनेज्ड है, वहाँ के सचिव जी ने हम को पत्र भेजा है, लेकिन यूनिवर्सिटी की तरफ से पत्र आयेगा तो हम जरूर जांच करेंगे।

श्री रामाक्षर शास्त्री : क्या आप ने यह नीति निर्धारित कर ली है कि आगे से रेलवे अपनी प्रशासन की तरफ से कोई विद्यालय नहीं खोलेगा ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, यह प्रश्न बड़ा विचित्र है

श्री रामाक्षर शास्त्री : कोई विचित्र तो है ही ।

श्री मल्लिकार्जुन : रेलवे भविष्य में विद्यालय खोलेगा या नहीं खोलेगा यह कई फैक्ट्स पर आधारित है। इस वक्त मैं नहीं बतला सकता हूँ कि खोलेंगे या नहीं खोलेंगे ?

श्री रामाक्षर शास्त्री : खोलने की नीति है या नहीं - मैंने स्पष्ट पूछा है।

SHRI G. K. JAFFAR SHARIF:
Running the educational institutions is one of the social objectives for the employees. We have been doing it and we will continue to do it, taking

the overall financial situation into consideration. But, while providing these educational facilities we can do it up to the Higher Secondary level. We cannot go to colleges and expand our activity. Our basic responsibility is to carry the freight and passengers, not to diversify all our activities.

श्री राम विलास पासवान : उपाध्यक्ष

जी, अभी हमारे साथी ने जो पूछा था. यदि आप के पास मैट्रिक के बाद या हायर सेकेंड्री के बाद कोई योजना नहीं है तो बिलकुल सही है, हम प्रैस नहीं करना चाहते हैं। लेकिन मेरा प्रश्न यह है यदि हायर सेकेंड्री के बाद इस तरह का इंस्टीट्यूशन चलाने का विचार रखती हैं तो क्या इस महाविद्यालय को अपने अधीन लेने पर विचार करेंगे ?

श्री मल्लिकार्जुन : आज यह प्रश्न हमारे सामने नहीं है, जब आयेगा तब देखेंगे।

Circulation of Anti-India Tape in Pakistan and West Asia

*911. SHRI RAM VILAS PASWAN:
SHRI BAPUSAHEB PARU-
LEKAR:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the circulation in Pakistan and West Asia officially sponsored propaganda tape-recording denigrating India and the Indian Prime Minister; and

(b) if so, the details thereof and the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI R. VENKATARAMAN): (a) Yes Sir.

(b) The Government is aware of these cassette recordings. They are essentially satirical narratives on important international personalities and